रणजीत टाइम्स

वर्ष : 1, अंक: 121 इंदौर, गुरुवार 8 मई 2025

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

DIGITAL EDITION

ऑपरेशन सिंदूर से भारत ने पहलगाम हमले का बदला लिया

हिंदू...सिंधु... सिंदूर ... के खौफ से कांपा पाकिस्तान

नई दिल्ली (एजेंसी)। आखिरकार भारत ने पाकिस्तान के आतंकी संगठनों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई कर ही दी। इंडियन एयरफोर्स ने मंगलवार आधी रात 1.05 बजे पाकिस्तान और पीओके, यानी पाक अधिकृत कश्मीर के भीतर एयर स्ट्राइक की।

इस हमले में 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया है। इसमें 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए हैं। भारत की ये जवाबी कार्रवाई पहलगाम हमले के 15 दिन बाद की गई है और इसका नाम दिया है 'ऑपरेशन सिंदूर'। ये नाम उन महिलाओं को समर्पित है, जिनके पतियों की पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकियों ने हत्या कर दी थी। पाकिस्तान के इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस के डायरेक्टर लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने कहा- भारत ने 24 मिसाइलें दागी हैं।

सेना पर गर्व.. ऑपरेशन सिंदूर पर कहा कि ये नया भारत है: पीएम

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कैबिनेट बैठक में पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर के लिए तीनों सेनाओं की तारीफ की। ऑपरेशन सिंदूर पर कहा कि ये नया भारत है। पूरा देश हमारी ओर देख रहा था। ये तो होना ही था।

आज सर्वदलीय बैठक- कैबिनेट बैठक में पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर के लिए तीनों सेनाओं की तारीफ की। कहा, ये नया भारत है। देश के लिए यह गर्व का पल। सेना ने कम समय में सटीक हमला किया। उधर, सरकार ने कल सुबह 11 बजे सर्वदलीय बैठक बुलाई है। इसकी अध्यक्षता राजनाथ सिंह करेंगे।

पीएम मोदी की 3 देशों की यात्रा स्थगित- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नॉर्वे, क्रोएशिया और नीदरलैंड की यात्रा को फिलहाल स्थगित कर दिया है। हालांकि, इसके पीछे के कारणों को लेकर आधिकारिक बयान अब तक नहीं आया है। मीडिया सूत्रों के हवाले से बताया कि पीएम मोदी ऑपरेशन सिंदूर को पूरी रात मॉनिटर करते रहे।

राहुल गांधी बोले- सेना को सलाम

राहुल गांधी बोले- हम सेनाओं को पूरा समर्थन देते हैं। हमारा पूरा सपोर्ट है। हमारे जवानों को पूरा समर्थन है।

खड़गे बोले- कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- देश की सेना की बहादुरी को सलाम है।

उनके साथ हम कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। हमारे भारतीय शस्त्र बलों पर हम गर्व करते हैं, जिन्होंने पाकिस्तान और पीओके के अंदर के ठिकानों पर साहसिक कार्रवाई की। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के दिन से ही कांग्रेस सेना और सरकार के साथ खड़ी थी।

पीओके, समेत पाक में 9 आतंकी ठिकाने ध्वस्त

- 24 मिसाइल दागीं, सुहाग उजाड़ने वालों को मिट्टी में मिलाया
- 9 आतंकी ट्रेनिंग सेंटर-लॉन्चपैड तबाह: हिजबुल का ट्रेनिंग कैंप, जैश का सबसे बड़ा हेडक्वार्टर, लादेन की फंडिंग वाला मरकज ध्वस्त

पीएम मोदी बोले-

- ये तो होना ही था, खड़गे ने कहा- हम सरकार के साथ, पूरे देश में जश्न, अलर्ट जारी
- पाकिस्तान ने अगर गुस्ताखी की तो अब तड़गा जवाब मिलेगा

9 आतंकी ठिकानों पर भारत का हवाई हमला

सोर्स- PTI
मैप प्रतीकात्मक है।

	ठिकाना	आतंकी संगठन
1	मरकज सुभान अल्लाह, बहावलपुर	जैश-ए-मोहम्मद
2	मरकज तैयबा, मुरीदके	लश्कर-ए-तैयबा
3	सरजल, तेहरा कलां	जैश-ए-मोहम्मद
4	महमूना जोया, सियालकोट	हिजबुल मुजाहिदीन
5	मरकज अहले हदीस, बरनाला	लश्कर-ए-तैयबा
6	मरकज अब्बास, कोटली	जैश-ए-मोहम्मद
7	मस्कर राहील शाहिद, कोटली	हिजबुल मुजाहिदीन
8	शावई नाला कैंप, मुजफ्फराबाद	लश्कर-ए-तैयबा
9	सैयदना बिलाल कैंप, मुजफ्फराबाद	जैश-ए-मोहम्मद

कर्नल सोफिया कुरैशी विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने ऑपरेशन की जानकारी दी

सेना ने एयर स्ट्राइक के 9.30 घंटे बाद सुबह 10,30 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें विदेश सचिव विक्रम मिसरी और आर्मी की कर्नल सोफिया कुरैशी और एयरफोर्स से विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने ऑपरेशन के बारे में जानकारी दी। सबसे पहले एयर स्ट्राइक का 2 मिनट का वीडियो प्ले किया गया। इसमें आतंकी ठिकानों पर भारतीय सेना की कार्रवाई दिखाई गई। कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने बताया कि रात 1 :05 बजे और 1 :30 बजे के बीच ऑपरेशन हुआ। 25 मिनट में पाकिस्तान और पीओके में 9 टारगेट पहचाने गए थे।

आतंकी मसूद अजहर के 14 रिश्तेदार मारे गए

- जैश चीफ बोला- **मैं भी मर जाता, मेरा पूरा परिवार तबाह हो गया**

जैश-ए-मोहम्मद के प्रमुख मौलाना मसूद अजहर ने कहा है कि सुभान अल्लाह मस्जिद पर किए गए हमले में उसके परिवार के 14 सदस्य और चार करीबी सहयोगी मारे गए हैं। मृतकों में मौलाना मसूद अजहर की बड़ी बहन और उसका पति, मसूद अजहर का भतीजा और उसकी पत्नी, एक अन्य भतीजी और उसके परिवार के पांच बच्चे शामिल हैं। मसूद अजहर ने बयान जारी कर कहा, मेरे परिवार के लोगों को जन्नत नसीब होगी। मैं भी मर जाता तो अच्छा होता। अजहर ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना की। कहा कि अत्याचार ने सभी नियम तोड़ दिए, अब किसी को दया की उम्मीद नहीं करनी चाहिए।

एयर स्ट्राइक की खुशी में लोगों ने जश्न मनाया

ऑपरेशन सिंदूर में इन आतंकी ठिकानों को तबाह किया

● पीओके में मुजफ्फराबाद स्थित लश्कर के सवाई नाला ट्रेनिंग सेंटर को सबसे पहले निशान बनाया गया। सोनमर्ग, गुलमर्ग और पहलगाम हमले के आतंकियों ने यहीं ट्रेनिंग ली थी। मुजफ्फराबाद का सैयदना बिलाल कैंप। यहां हथियार, विस्फोटक और जंगल सर्वाइवल की ट्रेनिंग दी जाती थी। ● कोटली का लश्कर का गुरपुर कैंप। पूंछ में 2023 में श्रद्धालुओं पर हमला करने वाले आतंकी यहीं ट्रेंड हुए थे। ● भिम्बर का बरनाला कैंप। यहां हथियार चलाना सिखाया जाता है। ● कोटली का अब्बास कैंप। यह एलओसी से 13 किमी दूर है। यहां फिदायीन तैयार होते हैं। ● सियालकोट का सरजल कैंप। मार्च 2025 में पुलिस जवानों की हत्या के आतंकवादियों को यहीं ट्रेन किया गया था। ● सियालकोट का हिजबुल महमूना जाया कैंप। पठानकोट हमला यहीं प्लान किया गया। ● मुरीदके का मरकज तैयबा कैंप। अजमल कसाब और डेविड कोलमैन हेडली यहीं ट्रेन हुए थे।। ● मस्जिद सुभान अल्लाह बहावलपुर जैश का हेडक्वार्टर था। यहां रिक्रूटमेंट, ट्रेनिंग दी जाती थी। बड़े अफसर यहां आते थे।

आरूषि ट्रेवल्स ने शुरू की पवित्र चारधाम यात्रा 35 यात्रियों के साथ इंदौर से रवाना हुई पहली बस!

रंजीत टाइम्स

इंदौर। संचालित आरूषि ट्रेवल्स द्वारा इस वर्ष की चारधाम यात्रा का शुभारंभ 4 मई को विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इस पवित्र यात्रा में इंदौर और आसपास के क्षेत्रों से लगभग 35 श्रद्धालु सम्मिलित हुए हैं। यात्रा में प्रमुख रूप से शामिल हैं: श्री संतोष पाराशर, ओमकार यादव, पंचोली जी, गोर जी, एवं अन्य श्रद्धालुजन।

सभी लोग उत्तराखंड स्थित चार प्रमुख धामों यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ के दर्शन हेतु रवाना हुए हैं। आरूषि ट्रेवल्स विगत 25 वर्षों से धार्मिक यात्राओं का सफल संचालन करता आ रहा है। यात्रियों की सुरक्षा, सुविधा और भोजन-विहार की समुचित व्यवस्था के लिए ट्रेवल्स की टीम पूरी निष्ठा के साथ यात्रा का संचालन कर रही है। यात्रियों को प्राकृतिक सौंदर्य और आध्यात्मिक ऊर्जा का अद्भुत संगम इस यात्रा में अनुभव होगा।

आरूषि ट्रेवल्स का उद्देश्य है — "श्रद्धा के साथ सुविधा।" यात्रा से जुड़े हर पहलू में यात्रियों को सहायता प्रदान की जाएगी, जिससे यह यात्रा न केवल धार्मिक दृष्टि से बल्कि व्यक्तिगत अनुभवों की दृष्टि से भी अविस्मरणीय बन जाए।

ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में वितरित हुआ मिष्ठान

जमकर हुई आतिशबाजी

रंजीत टाइम्स

जातीय जनगणना के ऐतिहासिक फैसले के समर्थन में आज भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा कानपुर उत्तर के द्वारा जिलाध्यक्ष अनिल दीक्षित की मौजूदगी में ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष अनुभव कटियार के नेतृत्व में आतिशबाजी एवं मिष्ठान वितरण हुआ इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष अनिल दीक्षित ने जातीय जनगणना को लोकतंत्र की खूबसूरती बताते हुए कहा कि मोदी जी आम आदमी की पीड़ा समझने वाले असली जननायक है यह सरकार का स्वर्णिम फैसला बताया साथ ही अनुभव कटियार ने कहा कि जातीय जनगणना से पिछड़ों दलितों शोषितों वंचितों को उनका असली अधिकार जितनी जिसकी भागीदारी उतनी उसकी हिस्सेदारी मिलेगी। इस मौके पर मोर्चा प्रभारी विनोद पाल, महामंत्री शिवम कुशवाहा, कार्यक्रम संयोजक सोनू गुप्ता, मंडल अध्यक्ष अजय राजपूत, धरमू पाल, सूरज पाल, मनीष, सुरेश गौतम, कमलकांत पाल, प्रशांत कुशवाहा पर प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

करनी सेना परिवार की बैठक सम्पन्न

रंजीत टाइम्स

दीपक तोमर

मंडलेश्वर। वीर शिरोमणि श्री महाराणा प्रताप जी की जन्म जयंती 11 मई को पिपलिया बुजुर्ग गुरुशरण अकैडमी में मनाई जाएगी जिसको लेकर करणी सेवा परिवार के खरगोन जिला अध्यक्ष कुलदीप सिंह अपनी टीम के साथ क्षत्रिय राजपूत समाज मंडलेश्वर में पधारे क्षत्रिय राजपूत सरदारों के साथ बैठक ली गई जिला अध्यक्ष कुलदीप सिंह ने बताया कि महेश्वर तहसील के गांव खराडी, जलकोटा, इटावादी,मातमूर, महेश्वर, सांगी, सम्राज,मंडलेश्वर के क्षत्रिय राजपूत समाज के सरदारों से मिलकर बैठक ली गई जिसमें श्री महाराणा प्रताप जी की जन्म जयंती 11 मई को धूमधाम से मनाई जाएगी कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और शोभा यात्रा के बारे में जानकारी दी गई बैठक में करणी सेना परिवार के जिला संयोजक अजय सिंह, सुरेंद्र सिंह,अभिषेक सिंह मंडलोई,दीपराज बन्ना,अर्जुन बन्ना, मनदीप सिंह तवर, विजय बन्ना,हेमेंद्र सिंह सोलंकी,हिमांशु जोशी,अर्जुन सिंह पटेल,त्रिभुवन सिंह तोमर, कुलदीप सिंह पटेल,अशोक सिंह तोमर (कान्हा) ,भूपेंद्र सिंह तोमर,तरुण सिंह पटेल,भगवान सिंह चौहान, जितेंद्र सिंह चौहान (बंटी), भंवर सिंह पटेल, गोविंद सिंह चौहान, दीपक सिंह पटेल मौजूद रहे बैठक की जानकारी क्षत्रिय राजपूत समाज संगठन तहसील मीडिया प्रभारी दीपक सिंह तोमर ने दी।

मध्यप्रदेश में 491 अंक हासिल कर दसवी रैंक और बड़वानी जिले में टॉप रही

रंजीत टाइम्स

शिवकुमार राठौड़ कसरावद

कसरावद.मंगलवार को जिले में खुशियों का माहौल छा गया। क्योंकि विद्यार्थियों के लिए यह दिन बहुत ही खास रहा विधार्थियो की साल भर की मेहनत के नतीजों ने उनका दिल जीत लिया था।वही मध्यप्रदेश में 491 अंक हासिल कर दसवीं रैंक और बड़वानी जिले में टॉप रही खरगोन जिले के ग्राम भोंईदा की लीना पिता धर्मेंद्र यादव ने परिवार का नाम रोशन किया है। मध्यप्रदेश में एमपी बोर्ड 10 वीं व 12वीं के आए नतीजों में छात्राओं ने बाजी मारी है वही खरगोन जिले की ग्राम भोंईदा की निवासी लीना पिता धर्मेंद्र यादव ने बड़वानी जिले के शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ठीकरी से 10 वी की कक्षा में मध्यप्रदेश में दसवीं रैंक हासिल की है और बड़वानी जिले में स्कूल में टॉप रही। स्कूल के स्टाफ ने लीना को मिठाई खिलाकर बधाई दी।साथ ही छात्रा लीना यादव को माता पिता द्वारा मिठाई खिलाकर बधाई दी और माता पिता का आशीर्वाद भी लिया। वही इस मौके पर ठीकरी नगर के नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि सुमित जायसवाल व जीतू पाल ने भी मिठाई खिलाकर बधाई दी। वही लीना यादव ने बताया कि यह जो मध्यप्रदेश में 10वीं रैंक और बड़वानी जिले में टॉप आई हूं।इसका पूरा श्रेय मेरे माता पिता और गुरुजनों को जाता है जिनका मुझे पूरा सपोर्ट रहा है में प्रतिदिन ग्राम भोंईदा से ठीकरी बारह किलोमीटर का सफर तय करके स्कूल जाती थी और अपने घर में परिवार का हाथ बटाकर प्रतिदिन तीन से चार घंटे पढ़ाई में व्यतीत करती थी।वही पिता धर्मेंद्र यादव ने बताया की मेरी बेटी ने 500 में 491 अंक हासिल किए जिससे मुझे बहुत खुशी हो रही है मुझे गर्व है मेरी बेटी पर आज उसने अपने खुद के साथ साथ माता पिता परिवार और गांव का नाम भी रोशन किया है में उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हु।

रणजीत टाइम्स

इंदौर, गुरुवार 8 मई 2025

03

DIGITAL EDITION

भारतगौरव पूज्य गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी का गणिनीपद दिवस समारोह आज

सनावद के 11 सदस्यी दल कार्यक्रम में करेगा सहभागिता

रणजीत टाइम्स

आशीष शर्मा

सनावदः–भारतगौरव पूज्य गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी का गणिनीपद दिवस समारोह तिथि-वैशाख शुक्ला एकादशी दिनाँक-8 मई 2025, गुरुवार, प्रातः 6 बजे स्थान-श्री ऋषभदेव दिगम्बर जैन मंदिर, बड़ी मूर्ति, अयोध्या (उ.प्र.) में बड़े भक्ति भाव से मनाया जायेगा। समाज प्रवक्ता सन्मति जैन काका ने बताया की जैन समाज के इतिहास में वर्तमान की सर्वप्रमुख गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमती माताजी का ''गणिनी पद'' आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज की परम्परा में वरिष्ठ भारतगौरव आचार्यरत्न श्री देशभूषण जी महाराज की आज्ञा से हस्तिनापुर में सन् 1985 में विशाल जम्बूद्वीप पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में समारोहपूर्वक सम्पन्न हुआ था। पिछले वर्षों में पूज्य माताजी ने इस पद को सुशोभित करते हुए अपने हाथों से अनेक दीक्षाएँ प्रदान कीं तथा 108 फुट भगवान ऋषभदेव प्रतिमा आदि अनेक महत्वपूर्ण तीर्थंकर जन्मभूमियों के विकास की प्रेरणाएँ प्रदान की हैं। वर्तमान में पूज्य माताजी शाश्वत तीर्थ अयोध्या में विराजमान हैं। यहाँ पर माताजी के आशीर्वाद से निरंतर तीर्थंकर जन्मभूमियों के विकास कार्य चल रहें हैं। इस अवसर पर सनावद जैन समाज से विशाल सराफ,श्रुति सराफ, मालती लश्करे, भानु बाई जटाले,नीतू जैन, कर्णिका जैन, गवाक्षी जैन,आराध्या जैन, अर्हम जैनसहित अभियांशु जैन कार्यक्रम में अपनी सहभागिता दर्ज करवाएंगे।जैसा की ज्ञात हे की गणिनीआर्यिका ज्ञान मति माता जी के संघ में सनावद नगर गौरव आर्यिका सुदृढ़ मति माताजी एवं आर्यिका विनीत मति माताजी संगस्त होकर धर्म प्रभावना कर रही हे।

क्षत्रिय राजपूत समाज संगठन की व्यवस्था बैठक हुई

रणजीत टाइम्स

दीपक तोमर

मंडलेश्वर। ग्राम पिपलिया बुजुर्ग में क्षत्रिय राजपूत समाज संगठन की व्यवस्था बैठक रखी गई बैठक महेश्वर तहसील अध्यक्ष प्रताप सिंह चौहान की अध्यक्षता मेनका गई चौहान ने बताया कि 11 में रविवार को गुरु शरण अकैडमी पिपलिया बुजुर्ग महाराणा प्रताप जयंती मनाई जाएगी श्री महाराणा प्रताप जी की शोभा यात्रा महेश्वर से प्रारंभ की जाएगी मंडलेश्वर, श्रीनगर ,छोटी खरगोन, धरगांव, नांद्रा, कतरगांव होते हुए पिपलिया बुजुर्ग पहुंचेगी कार्यक्रम में अलग-अलग व्यवस्थाओं को लेकर ग्राम बरलाय,पलसूद,कुबिया, बोथयापुरा ,पिपलिया, बेरफ़ड, पथराड, बड़दिया, कोदलाखेड़ी के राजपूत समाज बंधुओ को व्यवस्था के लिए कार्यभार सौंपा गया बैठक के सुमेर सिंह, खुमान सिंह, प्रताप सिंह, हरे सिंह, पवन सिंह, गजराज सिंह पटेल ,अनार सिंह, पवन दरबार,कमलेश सिंह, कमल सिंह सुनील सिंह सहित अन्य समाज बंधु उपस्थित थे बैठक की जानकारी क्षत्रिय राजपूत समाज संगठन तहसील मीडिया प्रभारी दीपक सिंह तोमर ने दी।

शिवानी मेवाड़े ने 92 प्रतिशत अंक अर्जित कर शाला में प्रथम स्थान प्राप्त किया

रणजीत टाइम्स

दीपक तोमर

गुलावड। एकीकृत शाला शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गुलावड की छात्रा कु. शिवानी मेवाड़े ने 92 प्रतिशत अंक अर्जित कर शाला में प्रथम स्थान प्राप्त किया, 12 वी के छात्र कुनाल महेश ओछानिया ने 86 प्रतिशत अंक अर्जित कर विद्यालय व परिवार का नाम रोशन किया हाईस्कूल का परीक्षा परिणाम 76 प्रतिशत व 12 वी का 84 प्रतिशत रहा, विद्यालय के प्राचार्य श्री के सी सांड एवं शाला के शिक्षक श्री संतोष बरफा, सुनील शर्मा, राकेश राजपूत, अमृत राठौड़, सुमित सावनेर, के पी पाटीदार, शिक्षिका बसंती बडुकिया, रेखा वर्मा, सभी छात्र छात्राओं के शिक्षकों ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना की सभी छात्र छात्राओं ने अपनी सफलता का श्रेय गुरुजनों एवं माता पिता को दिया है।

10वी में कौशलेश यादव ने 89. प्रतिशत बनाए

रणजीत टाइम्स

गोटेगांव तहसील के अंतर्गत ग्राम श्रीनगर में स्थित एस.एच.सी पब्लिक स्कूल के छात्र कौशलेश यादव ने कक्षा 10वीं में 89.4% प्रतिशत बनाकर स्कूल एवं परिवार का नाम रोशन किया है। उन्होंने 500 में से 447अंक अर्जित कर यह शानदार उपलब्धि हासिल की है। कान्हा अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और अपने गुरुजनों को देते हैं। कान्हा ने बताया कि शिक्षकगणों का मार्गदर्शन और विद्यालय का सहयोग उनके लिए प्रेरणास्त्रोत रहा कान्हा श्रीनगर निवासी पिता शंकर लाल यादव माता श्रीमती श्रद्धा यादव के पुत्र है कान्हा की इस उपलब्धि पर परिवारजनों एव शुभचिंतकों ने हर्षव्यक्त कर बधाई दी।

कक्षा 12वीं में जानवी राय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया

रणजीत टाइम्स

गोटेगांव नगर के शैक्षणिक संस्था सेंट जोसेफ इंग्लिश मीडियम स्कूल की छात्रा कुमारी जानवी राय ने हायर सेकेंडरी की वार्षिक परीक्षा 2025 में 93.5 परसेंट अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया है आप नगर के प्रतिष्ठित समाज सेबी तिरुपति बालाजी कंपनी के संचालक सुनील बर्षाराय की सुपुत्री एवं कलचुरी समाज के अध्यक्ष राजेंद्र राय की भतीजी है अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और अपने गुरुजनों को देते हैं। बताया कि शिक्षकगणों का मार्गदर्शन और विद्यालय का सहयोग उनके लिए प्रेरणास्त्रोत रहा इस उपलब्धि पर परिवारजनों एव शुभचिंतकों ने हर्षव्यक्त कर बधाई दी।

लोक अदालत में प्रकरणों के निराकरण के लिए हुई न्यायाधीशों की बैठक

दीपक तोमर

मंडलेश्वर। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मण्डलेश्वर की अध्यक्षता में दिनांक 10 मई, 2025 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत में प्रकरणों के निराकरण के लिए जिले के समस्त न्यायाधीशों की वीडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से आनलाइन समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में बताया गया कि नेशनल लोक अदालत का आयोजन दिनांक 10 मई, 2025 को किया जा रहा है। जिसमें न्यायालय के लंबित प्रकरणों चेक बाउंस, मोटर दुर्घटना एवं अन्य राजीनामा योग्य प्रकरणों एवं प्रीलिटिगेशन प्रकरण बैंक, विद्युत, जलकर एवं संपत्ति कर से संबंधित प्रकरणों के अधिक से अधिक निराकरण करने एवं प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए गए। समीक्षा बैठक में विशेष न्यायाधीश एवं नेशनल लोक अदालत संयोजक मसूद एहमद खान, प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय मण्डलेश्वर पंकज सिंह माहेश्वरी, जिला न्यायाधीश सुजीत कुमार सिंह, जिला न्यायाधीष रवि झारोला, जिला न्यायाधीश राजकुमार चैहान, जिला न्यायाधीश दीपक चैधरी, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मण्डलेश्वर प्रीति जैन, न्यायाधीश मोहित बड़के, शिवांगनी भट्ट एवं तहसील न्यायालय बड़वाह, खरगोन, भीकनगांव, कसरावद, सनावद एवं महेश्वर के समस्त न्यायाधीशगण उपस्थित रहे।

कु.मान्यता शर्मा ने क्षेत्र का नाम किया रोशन

रणजीत टाइम्स

गोटेगांव तहसील के अंतर्गत समीपवर्ती ग्राम बहरोड़ा के निवासी लवकेश शर्मा की सुपुत्री कु मान्यता शर्मा ने कक्षा 10 वीं में प्रदेश की मेरिट लिस्ट में आठवां स्थान प्राप्त किया हैं । इस तरह विप्र समाज की तीन बेटियों ने मेरिट लिस्ट में गोटेगांव से स्थान पाया है।कु. मान्यता शर्मा ने दसवीं कक्षा में 98.6% में प्रदेश की मैरिट लिस्ट में आठवां स्थान प्राप्त किया है। इस प्रकार मान्यता शर्मा ने परिवार ओर समाज को गौरान्वित किया है।

मानव को अपनी उच्च चेतना से परिचित कराना ही सहजयोग ध्यान है

रंजीत टाइम्स

पुरातन कालों से ही खोज होती रही, मनुष्य कुछ खोज ही रहा है हर समय। चाहे वो पैसे में खोज ले, चाहे वो सत्ता में खोज ले, वह किसी न किसी खोज की ओर दौड़ रहा है लेकिन उस खोज के पीछे कौन सी प्यास है, ये शायद वो जानता ही नहीं। इसके पीछे सिर्फ आनन्द की खोज है। सारी ही खोजों में ढूंढते ढूंढते जब मनुष्य हार जाता है। और कहीं कुछ मिलता नहीं तो वह धर्म की ओर मुड़ता है और जब धर्म की ओर मुड़ता है तब भी वह बाहर ही खोजता है। कारण यह है कि जो वह खुद है, स्वयं है, वो खोजता है, इसीलिये अपने से मनुष्य भागता है, हर समय अपने से भागता है। दो मिनट अपने साथ बैठ नहीं सकता।.....सोचने की बात है कि मनुष्य अपने से इतना जोर से क्यों भागा चला जा रहा है? क्योंकि वह अपने से अपरिचित है, अपने सौन्दर्य से, अपने वैभव से, अपने ज्ञान से और अपने प्रेम से अपरिचित वह आनन्द की खोज बाहर की ओर करते हुए दौड़ रहा है। पर आनन्द तो बाहर है ही नहीं, यह तो अन्दर है, आपमें है, आप स्वयं आनन्द स्वरूप हैं। आप परमात्मा स्वरूप हैं, ऐसा सब लोग कहते हैं। लेकिन सिर्फ बात करने से ही यह बात पूरी नहीं होने वाली है।

हमारे अस्तित्व की शान्ति, सौन्दर्य एवं गरिमा हमारे अन्तर्निहित है। इसका एक महान

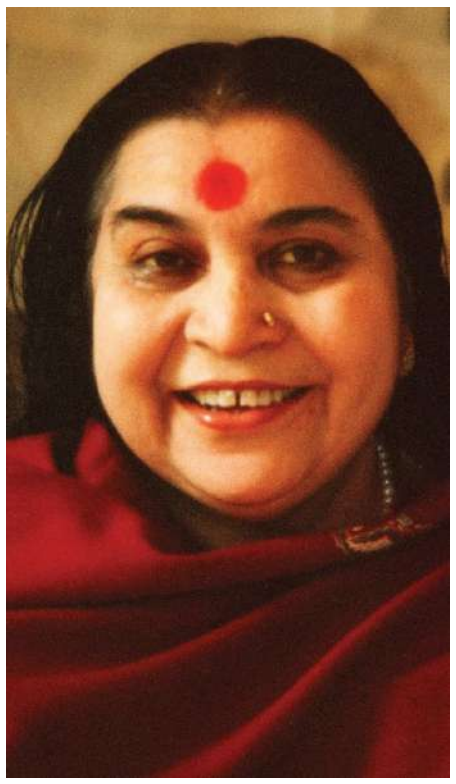

सागर हमारे अन्दर है। यह आपका अपना है और अत्यन्त सहज है, आपकी पहुँच में है जो कुछ भी आप करते रहे वह केवल तथाकथित आनन्द, प्रसन्नता, सांसारिक शक्तियों की गरिमा और सांसारिक वस्तुओं के पीछे दौड़ना था। अब इन सब गतिविधियों के विपरीत कार्य करना होगा। आपको अपने अन्तस में झाँकना होगा।

सहजयोग, ये परमतत्व का अपना एक तरीका है, यह एक मार्ग है। मानव जाति को उत्क्रान्ति के उस आयाम तक पहुँचाने का एक तरीका है, एक व्यवस्था है जिससे मानव उच्चचेतना से परिचित हो जाये, उस चेतना को आत्मसात कर ले जिसके सहारे ये सारा संसार, सारी सृष्टि और मानव का हृदय चल रहा है। पूरी सतर्कता से स्वयं ही अपने आप होने वाला मानव जीवन का विकास यही सहजयोग है।

सहजयोग में आपको सिर नहीं मुँडवाना, नंगे पाँव नहीं चलना, भूखे नहीं रहना और न ही गृहस्थ जीवन का त्याग करना है।.... सहजयोग अति व्यवहारिक है, क्योंकि यह पूर्णसत्य है अतः अपनी सारी शक्तियाँ, सूझ-बूझ और करुणामय प्रेम के साथ आपको अपने विषय में आश्वस्त होना है और जानना है कि हर समय परमात्मा की सर्वव्यापक शक्ति उन्नत होने में आपकी सहायता, रक्षा, मार्गदर्शन, पोषण तथा देखभाल कर रही है। सहजयोग से संबंधित जानकारी निम्न साधनों से प्राप्त कर सकते हैं। यह पूर्णतया निशुल्क है। टोल फ्री नं – 1800 2700 800 बेवसाइट - sahajayoga.org.in

455 करोड़ का सबसे बड़ा जमीनी सौदा करने वाली कंपनी सीबीआई जांच में उलझी

अहमदाबाद की कम्पनी तीर्थ गोपीकॉन पर फर्जी बैंक गारंटी का गंभीर आरोप, एक बड़ी जमीनी डील सवालों के घेरे में

इन्दौर। मध्यप्रदेश की रियल इस्टेट में इतिहास रचने वाली एक बड़ी जमीनी डील अब सवालों के घेरे में आ गई है। महू नाका स्थित कुक्कुट पालन केन्द्र की 7 लाख स्क्वेयर फीट से अधिक जमीन का यह सौदा 455 करोड़ रुपए में अहमदाबाद की कम्पनी तीर्थ गोपीकॉन ने हासिल किया था। यह सौदा इंदौर स्मार्ट सिटी बोर्ड द्वारा मंजूर किया गया था, और जमीन का आरक्षित मूल्य 378 करोड़ रुपए रखा गया था। इस डील में तीर्थ गोपीकॉन ने सबसे ऊंची बोली लगाई थी, और स्मार्ट सिटी बोर्ड ने इसे स्वीकृति भी दे दी थी। मगर अब यह सबसे बड़ा जमीनी सौदा एक बड़े विवाद का केंद्र बन गया है। यह मामला तब तूल पकड़ता है, जब जबलपुर हाईकोर्ट ने कम्पनी पर लगे 184 करोड़ रुपए की फर्जी बैंक गारंटी के आरोप को लेकर सीबीआई जांच के आदेश दिए हैं। यह मामला जल निगम द्वारा दायर किया गया था, जिसमें कम्पनी पर आरोप था कि उसने फर्जी बैंक गारंटी प्रदान की थी। इस विवाद के बाद, कम्पनी ने खुद को निर्दोष बताते हुए याचिका दायर की थी, और अब यह मामला सीबीआई जांच के हवाले किया गया है। अब यह सीबीआई की जांच पर निर्भर करेगा कि कम्पनी की दलील सही है या जल निगम का आरोप सही है।

इस बीच, इंदौर में स्मार्ट सिटी के अंतर्गत इस 17 एकड़ जमीन की डील में अहमदाबाद की कम्पनी ने 454.54 करोड़ की सबसे ऊंची बोली लगाई थी, जो स्मार्ट सिटी बोर्ड द्वारा स्वीकृत की गई थी। यह सौदा इंदौर में रियल इस्टेट के इतिहास का सबसे बड़ा सौदा माना जा रहा था, जिसमें स्मार्ट सिटी के अधिकारियों द्वारा इस राशि से शहर में मास्टर प्लान और सड़कों के निर्माण की घोषणा भी की गई थी। कलेक्टर आशीष सिंह ने यह भी बताया था कि इस राशि का उपयोग शहर के विकास के लिए किया जाएगा। लेकिन, अब यह जमीनी सौदा विवादों में घिरता जा रहा है। सीबीआई द्वारा जांच के आदेश के बाद, यह स्पष्ट हो जाएगा कि कम्पनी ने सही ढंग से बैंक गारंटी प्राप्त की थी या नहीं। इस मामले में, स्मार्ट सिटी के अधिकारियों और कलेक्टर आशीष सिंह ने भी बयान दिया है कि फिलहाल कम्पनी को जमीन का कब्जा नहीं दिया गया है, और तीन साल में उसे पहले भुगतान करना होगा। इस दौरान कम्पनी के खिलाफ चल रही जांच के नतीजे आने के बाद ही जमीन का कब्जा देने का निर्णय लिया जाएगा। उक्त सौदे के संदर्भ में, नगर निगम के अधिकारियों और रियल इस्टेट से जुड़े विशेषज्ञों का मानना है कि इस डील से शहर में बड़ी उम्मीदें जुड़ी थीं, क्योंकि यह सौदा न केवल शहर के विकास के लिए था, बल्कि इंदौर को एक नई दिशा देने वाला भी था। हालांकि, अब यह मामला गंभीर हो गया है, और अगर इस सौदे की प्रक्रिया पर रोक लगती है तो इससे इंदौर के रियल इस्टेट बाजार को बड़ा झटका लग सकता है। स्मार्ट सिटी बोर्ड ने पहले ही इस डील की मंजूरी दी थी, और कलेक्टर ने इस राशि से शहर में कई प्रमुख मास्टर प्लान और सड़कों के निर्माण की घोषणा की थी। लेकिन अब सीबीआई जांच से यह सवाल उठ रहा है कि क्या यह सौदा सही था या इसमें कुछ गड़बड़ है। रावजी बाजार थाने में भी इस मामले में शिकायत दर्ज की गई है, और यह आरोप है कि कम्पनी ने फर्जी बैंक गारंटी प्रस्तुत की थी। इस मामले में अब तक कई अधिकारियों ने कम्पनी को संदिग्ध करार दिया है, और उनके अनुसार यह कम्पनी विवादों में भी रही है।

मेट्रीमोनियल साइट्स पर प्यार का झांसा देकर रचा 26.85 लाख की ठगी का जाल

इंदौर। मेट्रीमोनियल वेबसाइट के जरिए शुरू हुई दोस्ती कैसे एक युवती के जीवन की सबसे बड़ी धोखाधड़ी में बदल गई, इसकी मिसाल बनी है इंदौर की एक घटना जिसमें एक युवक ने खुद को भारतीय नौसेना का अफसर बताकर 30 वर्षीय महिला से न केवल भावनात्मक जुड़ाव बनाया बल्कि उसे झांसे में लेकर 26 लाख 85 हजार रुपए की ठगी भी कर डाली। यह मामला अब इंदौर क्राइम ब्रांच की जांच के दायरे में है और आरोपी की तलाश के लिए पुलिस की टीमें सक्रिय हो चुकी हैं। शिकायत विजयनगर क्षेत्र की भाग्यश्री कॉलोनी में रहने वाली एक 30 वर्षीय महिला ने दर्ज कराई है, जिसने फरवरी 2024 में जीवनसाथी की वेबसाइट पर शादी के इरादे से प्रोफाइल बनाई थी। इसी माध्यम से उसकी बातचीत जितेंद्र नामक युवक से हुई, जिसने पहले वेबसाइट पर और फिर वॉट्सएप पर संपर्क साधा। बातचीत धीरे-धीरे दोस्ती में और फिर भरोसे में बदलती चली गई। युवक ने खुद को इंडियन नेवी का अधिकारी बताया और दावा किया कि वह शादी के लिए गंभीर है। जैसे-जैसे महिला का विश्वास गहराता गया, आरोपी ने अपनी चालें चलनी शुरू कर दीं। पहले उसने कहा कि उसकी पारिवारिक स्थिति बहुत खराब चल रही है और फिर एक दिन रोते हुए बताया कि उसे ब्लड कैंसर है और इलाज के लिए पैसों की सख्त जरूरत है। भावनात्मक रूप से जुड़ चुकी महिला ने बिना देर किए मदद की पेशकश की और एक नहीं, बल्कि कई किस्तों में उसे कुल 26 लाख 85 हजार रुपए ट्रांसफर कर दिए। शुरुआत में आरोपी ने यह भी कहा कि वह जल्द इंदौर आकर शादी की बात करेगा, लेकिन जैसे-जैसे समय बीता, वह टालमटोल करता रहा। महिला को तब शक हुआ जब आरोपी ने अपने दस्तावेज या बीमारी से जुड़े मेडिकल पेपर दिखाने से इनकार कर दिया। इसके बाद उसने जीवन साथी डॉट कॉम पर प्रोफाइल को दोबारा जांचा, लेकिन तब तक जितेंद्र का अकाउंट डिएक्टिवेट हो चुका था। वॉट्सएप पर भी ब्लॉक कर दिए जाने के बाद महिला को ठगी का अहसास हुआ और उसने क्राइम ब्रांच से संपर्क किया। पुलिस ने प्राथमिक जांच के बाद जितेंद्र के खिलाफ धोखाधड़ी और आईटी एक्ट की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है। क्राइम ब्रांच को मुखबिर से सूचना मिली है कि आरोपी संभवतः किसी दूसरे राज्य में फरार है, जिसे पकड़ने के लिए एक विशेष टीम रवाना की गई है।

इस मामले ने एक बार फिर यह चेतावनी दी है कि ऑनलाइन मेट्रोमोनियल साइट्स पर सतर्कता बेहद जरूरी है। भावनात्मक रूप से जुड़ने से पहले किसी की पहचान की गहन जांच, दस्तावेजों की पुष्टि और परिवार से संवाद बेहद अहम होता है। पुलिस ने भी लोगों से अपील की है कि ऐसे मामलों में तुरंत शिकायत दर्ज करें और अपनी वित्तीय जानकारी किसी भी हाल में साझा न करें। इंदौर पुलिस इस पूरे प्रकरण को साइबर और अंतरराज्यीय धोखाधड़ी के रूप में देख रही है और जांच में सामने आया है कि आरोपी पहले भी कई महिलाओं को इसी तरह का झांसा देकर रकम हड़प चुका है। जल्द ही पुलिस उसे गिरफ्तार करने की तैयारी में है और अन्य पीड़ितों से भी सामने आने की अपील की है ताकि पूरे गिरोह का पर्दाफाश किया जा सके।

नेतृत्व में महिला कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

प्रशासन को मूल्य वृद्धि के खिलाफ ज्ञापन सौंपा, दूध की बढ़ाई गई कीमतें वापस लेने की मांग की गई

भोपाल। मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती विभा पटेल ने डबल इंजन की भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि इसकी दोषपूर्ण नीतियों से आम जनता बेलगाम महंगाई से बेहाल है। 10 महीने के अंतराल में दूध के दाम दोबारा 7 मई से बढ़ा दिए गए हैं। इस मूल्य वृद्धि की आलोचना करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की सरकार जन और महिला विरोधी है। उनके नेतृत्व में मप्र महिला कांग्रेस ने दूध के दाम बढ़ाए जाने के खिलाफ भोपाल में पीसीसी के नजदीक प्रदर्शन किया। इस दौरान भाजपा सरकार के खिलाफ महिलाओं ने नारे भी लगाए। प्रदर्शन में महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष श्रीमती संतोष कंसाना, श्रीमती रशीदा मुस्तफा, श्रीमती राज लक्ष्मी नायक, सुश्री शीतल मालवीय ,अंजू जैस्वाल, लता देवरे, यशोदा पांडे, श्रीमति तस्लीम लश्करी आदि विशेष रूप से शामिल रही।

प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुईं। इस दौरान जिला प्रशासन के अफसरों ने श्रीमती विभा पटेल से कलेक्टर के नाम संबोधित ज्ञापन भी लिया। प्रदर्शन के चलते हुई सभा में श्रीमती विभा पटेल ने कहा कि सुरसा की भांति बढ़ती महंगाई की वजह से लोगों को दो वक्त की दाल रोटी का जुगाड़ करना भी मुश्किल हो गया है। एक तरफ सब्जी, तेल, मसाले आटा और चावल सहित सभी खाद्य सामग्री की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं, ऐसे में 10 महीने के अंतराल में दूध के दाम एक बार फिर 7

मई से बढ़ा दिए गए हैं। भाजपा सरकार के कार्यकाल में दूध की कीमतें पहले से ही काफी अधिक हैं और अब इसमें और वृद्धि करने से आम लोगों को परेशानी होगी।

श्रीमती विभा पटेल ने कहा कि प्रति लीटर 2 रुपए की वृद्धि से उपभोक्ताओं को तगड़ा झटका लगा है। यद्यपि गर्भवती महिलाओं और छोटे बच्चों का दूध के बिना घर का काम नहीं चलता। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी के लिए यह जरूरी है। दूध के दाम में वृद्धि का फैसला पूर्णत: महिला विरोधी, उपभोक्ता वर्ग विरोधी हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि भाजपा सरकार के राज में आने वाले समय में आम आदमी की थाली से दूध भी गायब हो जाएगा? मप्र महिला कांग्रेस जन हित और महिलाओं के हक में मांग करती है कि सांची दूध के दाम में की गई प्रति लीटर की बढ़ोतरी को तुरंत वापिस लिया जाए।

दमोह में खाकी पर फिर उठे सवाल, शराब के नशे में एसआई ने महिला और बच्चियों से की अभद्रता, ड्राइवर से की मारपीट

दमोह। एक ओर जहां मध्यप्रदेश पुलिस आमजन की सुरक्षा, कानून व्यवस्था और सामाजिक विश्वास की जिम्मेदारी निभाती है, वहीं दूसरी ओर कुछ वर्दीधारी अधिकारी अपने आचरण से पूरे विभाग को कटघरे में खड़ा कर देते हैं। ताजा मामला दमोह जिले के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के अस्पताल चौराहा का है, जहां एक पुलिस उपनिरीक्षक पर शराब के नशे में न केवल अभद्रता का, बल्कि मारपीट और डराने-धमकाने का गंभीर आरोप लगा है। घटना उस समय की है जब एसआई योगेंद्र गायकवाड़ ने एक कार को रुकवाया, जिसमें एक महिला और दो बच्चियां सवार थीं। चश्मदीदों और मौके पर मौजूद लोगों की माने तो एसआई नशे की हालत में थे। उन्होंने कार रुकवाने के बाद न केवल महिला और बच्चियों के साथ आपत्तिजनक भाषा में बात की, बल्कि उनके साथ अभद्र व्यवहार भी किया। घटना के दौरान कार का ड्राइवर जब बीच-बचाव करने आया, तो उसके साथ भी स्ढ्ढ ने मारपीट की। इस पूरे घटनाक्रम का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें एसआई गायकवाड़ लड़खड़ाती जुबान में नजर आ रहे हैं और लोग उनके शराब के नशे में होने की बात कर रहे हैं। वीडियो में कार के अंदर बैठी महिला और दोनों बच्चियां डरी-सहमी नजर आ रही हैं। उनकी आँखों में भय साफ दिखाई देता है, जो यह दर्शाता है कि वे उस वक्त कितनी असहाय और असुरक्षित महसूस कर रही थीं। यह दृश्य किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को विचलित करने के लिए काफी है। वहीं दूसरी ओर, घटनास्थल पर मौजूद स्थानीय लोगों ने स्थिति को भांपते हुए हिम्मत दिखाई और पुलिसकर्मी की इस हरकत का विरोध किया। उन्होंने मौके पर ही नारेबाजी कर अपना गुस्सा जाहिर किया और मांग की कि इस तरह के आचरण करने वाले पुलिसकर्मी पर तत्काल और सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। इस घटना ने एक बार फिर समाज में यह सवाल खड़ा कर दिया है कि जब रक्षक ही भक्षक बन जाए तो नागरिक कहां जाएं। वह महिला और उसकी बच्चियां जो इस देश की हर सड़क पर खुद को सुरक्षित मानना चाहती हैं, क्या अब पुलिसकर्मियों से भी डरने लगेंगी? सवाल सिर्फ उस पुलिसकर्मी के आचरण का नहीं है, सवाल उस पूरी व्यवस्था का है जो ऐसे अधिकारियों को वर्दी देकर सड़क पर उतारती है। क्या वर्दीधारी को यह अधिकार है कि वह नशे में धुत होकर आम जनता को परेशान करे, मासूम बच्चियों को डराए और महिलाओं से अभद्रता करे? फिलहाल यह देखना अहम होगा कि इस घटना पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारी क्या रुख अपनाते हैं। क्या स्ढ्ढ योगेंद्र गायकवाड़ को सस्पेंड किया जाएगा? क्या उनके खिलाफ विभागीय जांच की जाएगी या यह मामला भी अन्य मामलों की तरह समय के गर्त में खो जाएगा?

रतलाम में जीवन से थक चुके दंपति ने एक साथ चुनी मौत की राह, पिता की खटखटाहट से खुला भयावह राज

रतलाम। जिले में बुधवार की सुबह उस वक्त मातम में बदल गई, जब एक पिता अपने बेटे और बहू को जगाने के लिए दरवाजा खटखटाता रहा, लेकिन भीतर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। अनहोनी की आशंका में जब दरवाजा खोला गया, तो सामने का दृश्य देखकर उसके होश उड़ गए। अंदर कमरे में उसका बेटा और बहू एक साथ फंदे पर झूलते मिले। इस दिल दहला देने वाली घटना ने पूरे गांव में सन्नाटा और शोक की लहर फैला दी। यह मर्मांतक घटना रतलाम के नामली थाना क्षेत्र के ग्राम पंचेड़ की है, जहां पति-पत्नी – जितेंद्र बागरी और दुर्गा – ने बुधवार सुबह अज्ञात कारणों के चलते आत्महत्या कर ली। जिस घर में कभी जीवन की छोटी-छोटी खुशियों की आवाजें गूंजती थीं, वहां अब सन्नाटा और आंसुओं की चीखें गूंज रही हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि मृतका दुर्गा की यह दूसरी शादी थी, हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि दंपति ने ऐसा दर्दनाक कदम क्यों उठाया। किसी प्रकार का सुसाइड नोट भी नहीं मिला है, जिससे यह समझा जा सके कि उनके मन में किस प्रकार की पीड़ा चल रही थी। घटना के वक्त दोनों घर में अकेले थे, और यह दुखद निर्णय उन्होंने संभवत: देर रात या सुबह-सुबह लिया। पुलिस के अनुसार जब वह मौके पर पहुंची, तब तक परिजन शवों को फंदे से नीचे उतार चुके थे। फिलहाल दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया गया है और मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है। गांव में शोक का माहौल है और हर कोई इस घटना को लेकर स्तब्ध है। इस त्रासदी ने एक बार फिर उस कड़वी सच्चाई को सामने ला दिया है कि हमारे समाज में मानसिक तनाव, पारिवारिक कलह या निजी परेशानियों को खुलकर बांटने की संस्कृति अभी भी विकसित नहीं हो पाई है। कई बार लोग अपने अंदर की तकलीफों को छिपाते-छिपाते इस हद तक पहुंच जाते हैं कि अंत में उन्हें जीवन समाप्त करना ही एकमात्र विकल्प नजर आता है। इस घटना ने न केवल एक परिवार को तोड़ दिया है, बल्कि पूरे समाज के सामने यह प्रश्न छोड़ दिया है कि हम कब अपने आसपास के लोगों के दुख-दर्द को गंभीरता से लेना शुरू करेंगे। क्या हम इतने व्यस्त हो चुके हैं कि अपनों के भीतर पल रही पीड़ा को पहचान ही नहीं पा रहे? या फिर हम केवल तब जागते हैं जब कोई हादसा हो जाता है? दंपति की आत्महत्या की यह दुखद कहानी अब पुलिस जांच के घेरे में है। परिजनों से पूछताछ की जा रही है, पुराने पारिवारिक और वैवाहिक संबंधों की कड़ियां जोड़ने की कोशिश हो रही है, और यह पता लगाया जा रहा है कि कहीं कोई आर्थिक, सामाजिक या व्यक्तिगत दबाव तो इस आत्मघाती कदम का कारण नहीं बना।

ग्वालियर में केमिकल वॉर जैसे हालात की मॉक ड्रिल, अमोनिया गैस रिसाव से मची अफरातफरी, NDRF ने बच्चों को बचाकर पहुंचाया मेडिकल कैंप

ग्वालियर। पाकिस्तान पर भारतीय सेना के जवाबी हमले के बाद देशभर में आपदा प्रबंधन तैयारियों को परखने के लिए मॉक ड्रिल्स की श्रृंखला जारी है। इसी क्रम में बुधवार को मध्य प्रदेश के ग्वालियर में एक अत्यंत संवेदनशील और जटिल स्थिति का पूर्वाभ्यास किया गया, जो केमिकल वॉर की स्थिति से कम नहीं था। सिविल डिफेंस की कैटेगरी-02 में शामिल ग्वालियर जिले में इस मॉक ड्रिल के दौरान उस समय हाई अलर्ट जैसी स्थिति बन गई, जब आईटीआई तिराहे पर अमोनिया गैस से भरा एक टैंकर एक स्कूल बस से टकरा गया। मॉक ड्रिल के तहत तैयार इस आपदा में टक्कर होते ही टैंकर से तेजी से अमोनिया गैस का रिसाव शुरू हो गया, जिससे बस में सवार कई बच्चों की तबीयत बिगड़ने लगी। इस 'हादसे' की सूचना मिलते ही एनडीआरएफ,

एसडीआरएफ, जिला प्रशासन और मेडिकल टीमें सक्रिय हो गईं और तुरंत घटनास्थल पर पहुंचीं। सुरक्षा मानकों के तहत पूरे क्षेत्र को तीन भागों में विभाजित किया गया–रेड जोन, येलो जोन और ग्रीन जोन। रेड जोन में सिर्फ एनडीआरएफ और राहत टीमों को प्रवेश मिला, येलो जोन में मेडिकल सेवाएं सक्रिय की गईं और ग्रीन जोन में आम लोगों को रोका गया। अमोनिया गैस की तीव्रता को देखते हुए तुरंत बच्चों को बस से बाहर निकालकर विशेष सुरक्षा उपकरणों के साथ मेडिकल कैंप तक पहुंचाया गया। मेडिकल स्टाफ ने प्राथमिक उपचार कर घायलों की हालत सामान्य करने में तत्परता दिखाई। एनडीआरएफ ने रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान यह भी सुनिश्चित किया कि गैस के रिसाव से फैलने वाले खतरे को नियंत्रित किया जाए और हवा में इसका असर न्यूनतम रहे। ग्वालियर कलेक्टर ने इस मौके पर कहा कि यह मॉक ड्रिल सिर्फ अभ्यास नहीं, बल्कि सभी एजेंसियों के बीच सामूहिक समन्वय और त्वरित प्रतिक्रिया की परीक्षा थी। उन्होंने कहा कि इस एक्सरसाइज का उद्देश्य सिर्फ तकनीकी प्रशिक्षण नहीं था, बल्कि यह भी देखना था कि जब असल में स्थिति बिगड़े, तो सभी टीमें एकजुट होकर कितनी कुशलता से काम कर सकती हैं। इस प्रकार की आपदा प्रबंधन तैयारियां दर्शाती हैं कि प्रशासन भविष्य की किसी भी अप्रत्याशित स्थिति से निपटने के लिए कितना सजग और तत्पर है। आमजन से भी अपील की गई कि मॉक ड्रिल को वास्तविक आपदा समझने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि इसमें भाग लेकर जागरूकता और सतर्कता का परिचय देना जरूरी है। ग्वालियर की यह मॉक ड्रिल दर्शाती है कि भारत न केवल सैन्य स्तर पर चौकस है, बल्कि नागरिक सुरक्षा व्यवस्था में भी पूरी तरह मुस्तैद है।

मुख्यमंत्री यादव का सख्त निर्देश: अपराधों पर नियंत्रण के लिए पुलिस को कड़ी कार्रवाई करने का आदेश

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने प्रदेश में बढ़ते अपराधों और खासकर महिलाओं के खिलाफ हो रहे अपराधों पर कड़ा रुख अपनाया है। मंगलवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में एक उच्च स्तरीय बैठक के दौरान सीएम ने पुलिस अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि वे सभी सामान्य अपराधों और महिलाओं के खिलाफ अपराधों में प्रभावी कार्रवाई करें। उन्होंने यह भी कहा कि जो अधिकारी इन मामलों में प्रभावी कार्रवाई नहीं करेंगे, वे मैदान में नहीं दिखेंगे। मुख्यमंत्री ने बैठक में पुलिस को नक्सल गतिविधियों के नियंत्रण, सुशासन क्षेत्र के प्रयास और नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन पर भी चर्चा की। उन्होंने विशेष रूप से स्कूल और कॉलेजों पर ध्यान देने की बात की और कहा कि शिक्षण केंद्रों में अराजक तत्वों को रोका जाए। इसके अलावा, छेड़खानी जैसे मामलों में किसी भी युवक को बख्शा न जाए और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाए। सीएम ने साइबर अपराधों पर भी चिंता जताते हुए कहा कि इस क्षेत्र में लिप्त व्यक्तियों के खिलाफ कठोर एक्शन लिया जाए। बैठक में पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने अपराध नियंत्रण से संबंधित प्रेजेंटेशन दिया और आगे के कदमों पर विचार किया।

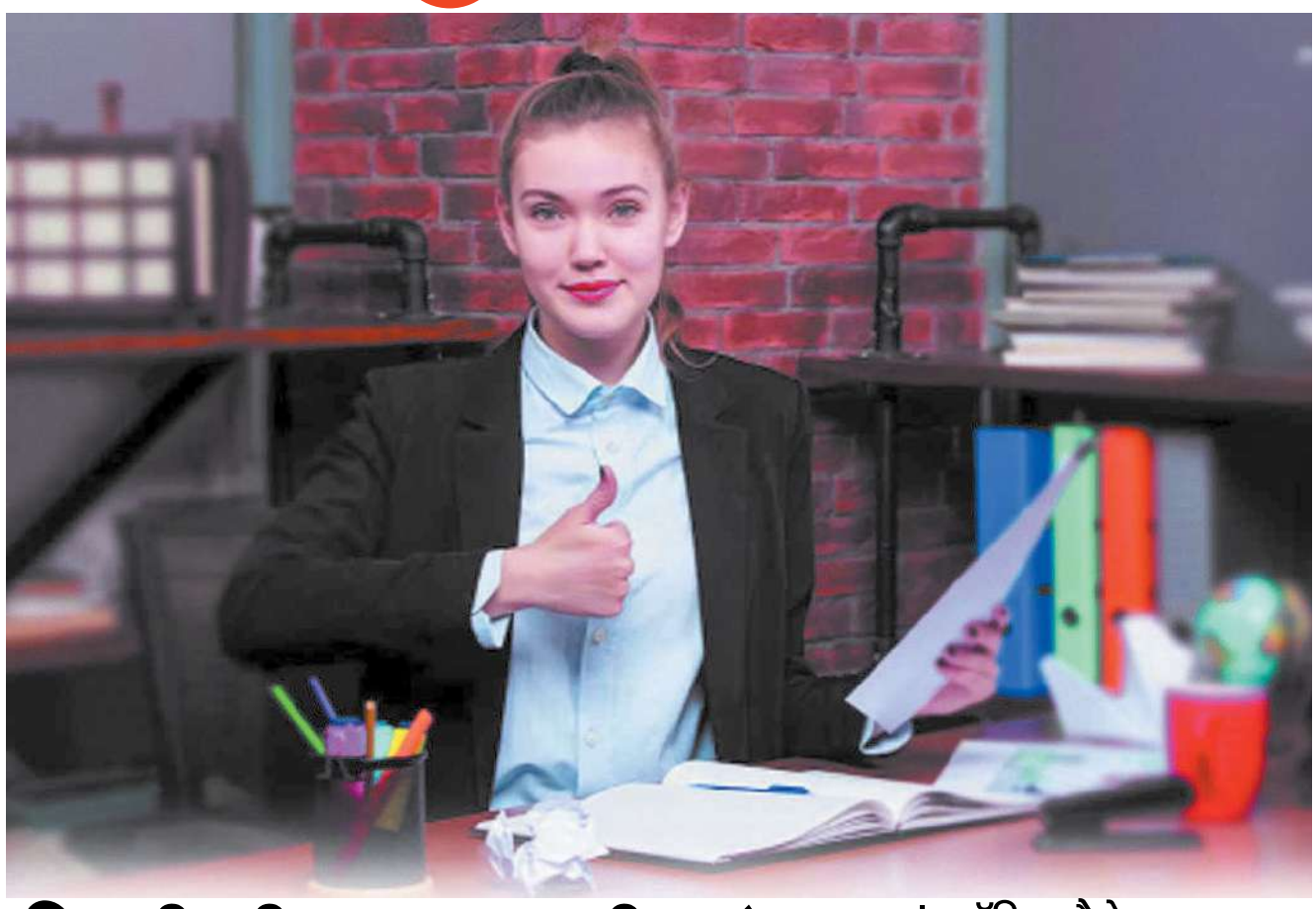

किसी भी संगठन की इमेज को दर्शाती है फ्रंट ऑफिस मैनेजर की भूमिका

फ्रंट ऑफिस मैनेजर का काम कमरों, मीटिंग रूम आदि की बुकिंग करने से लेकर रिकॉर्ड रखना और रिपोर्ट तैयार करना इनका काम होता है।

फ्रंट ऑफिस मैनेजर एक ऐसी भूमिका है, जो किसी भी संगठन के पहले इमेज को दर्शाती है। यह एक ऐसा व्यक्ति होता है, जो ग्राहकों का स्वागत करता है, उनकी पूछताछ का जवाब देता है और उनकी समस्याओं का समाधान करता है। अगर आप इस क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं, तो यह गाइड आपके लिए बहुत काम की होगी।

फ्रंट ऑफिस मैनेजर क्या करते हैं?

फ्रंट ऑफिस मैनेजर ग्राहकों का स्वागत करता है, उनकी पूछताछ का जवाब देता है और उनकी समस्याओं का समाधान करता है। रिसेप्शन पर कॉल का जवाब देता है, अपॉइंटमेंट लेना और मैसेजेस लेने का काम करता है। होटल या Hospitality में आने वाले मेहमानों को सर्विस देता है। रिसेप्शन एरिया का मैनेजमेंट करता है और कर्मचारियों की देखरेख भी करता है। कमरों, मीटिंग रूम आदि की बुकिंग करने से लेकर रिकॉर्ड रखना और रिपोर्ट तैयार करना इनका काम होता है।

फ्रंट ऑफिस मैनेजर की जिम्मेदारियां

- फ्रंट डेस्क के ऑपरेशन को मैनेज करना
- फ्रंट डेस्क के कर्मचारियों को ट्रेन करना और उनकी मदद करना
- मेहमानों का चेक-इन और चेक-आउट मैनेज करना
- मेहमानों की पूछताछ और शिकायतों का समाधान करना
- हाउसकीपिंग और रखरखाव टीमों के साथ समन्वय करना
- आरक्षण और कमरे के आवंटन की देखरेख करना
- बिलिंग और रिकॉर्ड-कीपिंग सुनिश्चित करना
- फ्रंट डेस्क की आपूर्ति और सूची बनाए रखना
- मेहमानों के लिए स्वागतयोग्य माहौल बनाना
- होटल की नीतियों और मानकों का पालन सुनिश्चित करना
- शिफ्ट शेड्यूल बनाना
- कॉल सेंटर एजेंट, सुरक्षा गार्ड, और रिसेप्शनिस्ट समेत फ्रंट-ऑफिस कर्मचारियों की देखरेख करना
- शिकायतों और खास ग्राहक अनुरोधों को संभालना

फ्रंट ऑफिस मैनेजर बनने के लिए योग्यता

- किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड या विश्वविद्यालय से 12वीं या समकक्ष कक्षा पास होना
- Hospitality में डिग्री या डिप्लोमा
- होटल प्रबंधन प्रशिक्षण
- होटल में फ्रंट डेस्क या रिसेप्शन पर पिछला अनुभव
- वैलिड और प्रासंगिक स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रशिक्षण

फ्रंट ऑफिस मैनेजर बनने के लिए आपको इन कौशलों का भी विकास करना होगा

- मजबूत पारस्परिक और संचार कौशल
- नेतृत्व और टीम प्रबंधन क्षमताएं
- बेहतरीन समस्या-समाधान और फैसला लेने का कौशल
- विस्तार पर ध्यान और संगठनात्मक कौशल
- फ्रंट ऑफिस सॉफ्टवेयर और माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस सूट का इस्तेमाल करने में दक्षता
- तनावपूर्ण स्थितियों को संभालने और समय का असरदार तरीके से प्रबंधन करने की क्षमता
- एमएस ऑफिस, खासकर एक्सेल और वर्ड का अच्छा व्यावहारिक ज्ञान
- अंग्रेजी में माहिर होना (मौखिक और लिखित)

अगर आप किसी होटल में फ्रंट ऑफिस एजेंट, रिसेप्शनिस्ट, या बेलहॉप जैसे निचले पद पर काम करते हैं, तो इससे आपको फ्रंट ऑफिस मैनेजर बनने के लिए लंबे समय में अनुभव हासिल करने में मदद मिल सकती है। एक बार जब आप अनुभवी फ्रंट ऑफिस मैनेजर बन जाते हैं, तो आप अपना करियर आगे बढ़ाकर डिप्टी मैनेजर या जनरल मैनेजर बन सकते हैं।

फ्रंट ऑफिस मैनेजर की सैलरी?

फ्रंट ऑफिस मैनेजर की सैलरी कई बातों पर निर्भर करती है। इनमें शामिल हैं

- प्रतिष्ठान का प्रकार (जैसे, लक्जरी होटल या बजट होटल)
- स्थान (महानगरीय क्षेत्रों में अक्सर ज्यादा सैलरी मिलती है)
- मैनेजर का अनुभव और योग्यता
- आम तौर पर, फ्रंट ऑफिस मैनेजर की औसत सालाना सैलरी 5 लाख रुपये से 12 लाख रुपये के बीच होती है। ग्लासडोर के मुताबिक, साल 2024 में भारत में फ्रंट ऑफिस मैनेजर की मासिक सैलरी 43,492 रुपये है। वहीं, टाइम्सप्रो के मुताबिक, होटल में फ्रंट ऑफिस मैनेजर की सालाना औसत सैलरी करीब 4 लाख रुपये होती है, यानी हर महीने 29,531 से 30,852 रुपये।

अगर आप भी बनना चाहते हैं एस्ट्रोनॉट?

एस्ट्रोनॉट बनने के लिए आपके पास इंजीनियरिंग, बायोलॉजिकल साइंस, फिजिकल साइंस, कंप्यूटर साइंस या फिर मैथ्स में बैचलर डिग्री होनी जरूरी है. इन कोर्स में एडमिशन लेने के लिए जेईई मेन्स, जेईई एडवांस्ड, गेट, आईआईटी जैम जैसे एंट्रेंस एग्जाम दे सकते हैं. आप चाहें पीजी के बाद पीएचडी की डिग्री भी कर सकते हैं.

भारतीय मूल की सुनीता विलियम्स एक मशहूर एस्ट्रनॉट हैं। अगर आप भी उनकी तरह बनना चाहते हैं, तो हम आपको बताते हैं कि नासा और इसरो जैसे संस्थानों से जुड़ने के लिए कौन से कोर्स करने जरूरी होते हैं। भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स को कौन नहीं जानता है। सुनीता ने इस साल जून में अंतरिक्ष के लिए उड़ान भरी हैं। इसी के साथ साथ उन्होंने तीसरी बार अपनी बुलंदी का झंडा अंतरिक्ष में गाड़ कर इतिहास रच दिया है। ऐसे में भला कौन नहीं उनके जैसा बनना चाहेगा। लगभग हर कोई एस्ट्रोनॉट सुनीता से प्रेरणा लेकर स्पेस में जाने का सपना देखता है, लेकिन इसके लिए पढ़ाई और कुछ कोर्स करना जरूरी होता है, जिसके बिना आप इसरो या नासा में शामिल नहीं हो सकते हैं। अगर आप सुनीता विलियम्स की तरह ही अंतरिक्ष की यात्रा करना चाहते हैं, तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कि इसके लिए आपको कौन से कोर्स करने होंगे और कब से इसकी पढ़ाई शुरू कर देनी चाहिए।

सुनीता विलियम्स कहां तक है पढ़ी-लिखी?

सुनीता विलियम्स ने साल 1983 में नीधम हाई स्कूल और साल 1987 में यूएस नेवल एकेडमी से फिजिकल साइंस में बीएससी की डिग्री हासिल की है। उन्होंने साल 1995 में फ्लोरिडा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से इंजीनियरिंग मैनेजमेंट में मास्टर ऑफ साइंस की डिग्री ली है। मई 1987 में, भारतीय मूल की सुनीता विलियम्स अमेरिकी नौसेना में भर्ती हुईं। 6 महीने के बाद उन्हें बेसिक डाइविंग ऑफिसर का पद मिला। साल 1989 में वे नेवल एविएटर बनीं और इसी के साथ सुनीता लगातार अपनी कामयाबी की सीढ़ी चढ़ रही हैं।

एस्ट्रोनॉट बनने के लिए करें ये कोर्स

सुनीता विलियम्स की तरह अगर आप भी स्पेस में जाने और तरह-तरह की चीजों को एक्सप्लोर करना चाहते हैं, तो आपको से 12वीं के बाद से ही इसके लिए तैयार कर देनी होगी। इसके लिए आप 12वीं क्लास पास करने के बाद एरोनॉटिक्स, एविएशन, एयरोस्पेस, एस्ट्रोफिजिक्स आदि स्ट्रीम से ग्रेजुएट या पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स कर सकते हैं। जानकारी के लिए आपको बता दें कि इन कोर्स में पीएचडी भी उपलब्ध है। आप चाहें तो एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में बीटेक भी कर सकते हैं। इन कोर्स को पूरा करने के बाद आपको नासा या इसरो जैसे संस्थानों में काम करने मौका मिल सकता है। साथ ही, इसमें सैलरी भी अच्छी मिलती है।

कोई आप पर पत्थर फेंके तो उस पर फूल फेंको, लेकिन गमले के साथ, भारतीय क्रिकेट जगत ने ऑपरेशन सिंदूर पर दी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय खेल जगत की हस्तियों ने पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों पर भारतीय सेना की एयरस्ट्राइक पर प्रतिक्रिया दी है। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर, पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह व सुरेश रैना उन पहले खिलाड़ियों में शामिल रहे, जिन्होंने भारतीय सेना द्वारा चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' की खुलकर सराहना की।

यह ऑपरेशन 6 और 7 मई की रात को अंजाम दिया गया। सेना ने 9 ऐसे स्थानों पर सटीक हमला किया, जिन्हें आतंकी गतिविधियों के लिए अहम माना जाता था। यह कार्रवाई पहलगाम में हुए आतंकी हमले (जिसमें 26 निर्दोष लोग मारे गए थे) के जवाब में की गई थी। अधिकारियों ने इसे सोच-समझकर किया गया, संयमित लेकिन ठोस जवाब बताया।

गौतम गंभीर, पूर्व क्रिकेटर व कमेंटेटर आकाश चोपड़ा और प्रज्ञान ओझा ने सबसे पहले सोशल मीडिया पर सेना की तारीफ करते हुए जय हिंद लिखा।

राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह ने भी सोशल मीडिया पर लिखा, जय हिंद, यह हमारे निर्दोष भाइयों की निर्मम हत्या का जवाब है। सुरेश रैना ने भी इंस्टाग्राम स्टोरी पर इस ऑपरेशन से जुड़ी तस्वीर साझा कर सेना का समर्थन किया। सचिन तेंदुलकर ने भी एक्स पोस्ट पर लिखा, भारत की ढाल उसके लोग हैं। इस दुनिया में आतंकवाद के लिए कोई जगह नहीं है। हम एक टीम हैं !जय हिंद

पूर्व ओपनर वीरेंद्र सहवाग ने लिखा, अगर कोई आप पर पत्थर फेंके तो उसपर फूल फेंकों, लेकिन गमले के साथ। जय हिंद।

आईपीएल 2025 में कोलकाता नाइट राइडर्स की ओर से खेल रहे वरुण चक्रवर्ती ने भी इस ऑपरेशन की फोटो इंस्टाग्राम स्टोरी पर साझा की।

पूर्व गेंदबाज चेतन शर्मा ने कहा, जब बात सुरक्षा की हो, तो भारत संकोच नहीं करता। ऑपरेशन सिंदूर कोई जवाब नहीं, बल्कि एक सख्त संदेश है। पूर्व महिला क्रिकेटर झूलन गोस्वामी ने भी कहा, सटीकता, उद्देश्य और ताकत – भारत इसी तरह जवाब देता है।

सेना के अनुसार, इस ऑपरेशन में जिन 9 ठिकानों को निशाना बनाया गया, वे जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा जैसे अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी संगठनों से जुड़े थे।

खास बात यह रही कि इस कार्रवाई में आम लोगों को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया गया और न ही पाकिस्तानी सेना की किसी संपत्ति को नुकसान हुआ। यह भारत की सीमित लेकिन मजबूत आतंकवाद विरोधी नीति को दर्शाता है। यह कार्रवाई गहरी खुफिया जानकारी के बाद की गई। सरकार ने साफ कहा कि यह सिर्फ ताकत दिखाने के लिए नहीं, बल्कि आतंकियों को जवाबदेह ठहराने के लिए था। इसका उद्देश्य यह था कि बिना किसी बड़े संघर्ष में उलझे, आतंकियों के ठिकानों को खत्म किया जाए। देशभर में इस ऑपरेशन के बाद सोशल मीडिया पर ऑपरेशन सिंदूर, जय हिंद, इंडियन आर्मी जैसे हैशटैग ट्रेंड कर रहे हैं।

आईपीएल 2025:

नेहरा जी पर BCCI का एक्शन... हार्दिक पंड्या और उनकी टीम को भी लगी चपत

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 का 56वां मैच गुजरात टाइटन्स के खाते में गया और यह टीम मुंबई इंडियंस को हराकर प्वाइंट्स टेबल में नंबर-1 पर पहुंच गई. मुंबई के कप्तान हार्दिक पंड्या और उनकी टीम पर धीमी ओवरगति के लिए भारी जुर्माना लगाया गया.

उधर, गुजरात टाइटन्स के मुख्य कोच आशीष नेहरा पर खेलभावना के विपरीत आचरण के लिए जुर्माना और डिमेरिट अंक लगाए गए. मुंबई को आईपीएल के वर्षाबाधित मैच में गुजरात ने डकवर्थ लुईस प्रणाली के आधार पर 3 विकेट से हराया.आईपीएल ने एक बयान में कहा,'यह आईपीएल आचार संहिता के तहत इस सीजन में उनकी टीम का धीमी ओवरगति का दूसरा अपराध था. पंड्या पर 24 लाख रुपये जुर्माना लगाया गया है.' मुंबई की बाकी टीम और सब्स्टीट्यूट खिलाड़ियों पर 6 लाख रुपये या उनकी मैच फीस के 25 प्रतिशत में से जो कम हो,

जुर्माना लगाया गया है. नेहरा की गलती के बारे में विज्ञप्ति में बताया नहीं गया, लेकिन बार-बार बारिश के कारण मैच रुकने के दौरान उन्हें आपा खोते देखा गया. वह मैदानी अंपायरों से भी बार-बार बात कर रहे थे.

आईपीएल ने कहा,'गुजरात टाइटन्स के मुख्य कोच आशीष नेहरा पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के कारण एक डिमेरिट अंक भी लगाया गया. उन्होंने लेवल एक का अपराध किया है जो खेलभावना के विपरीत आचरण के संबंध में है. उन्होंने सजा स्वीकार कर ली है.'

श्रेयस अय्यर बाहर, साई सुदर्शन को मौका

पूर्व भारतीय सेलेक्टर ने इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय खिलाड़ियों का किया चयन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेस्ट क्रिकेट टीम इंग्लैंड के खिलाफ 20 जून से शुरू होने वाले 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए पूरी तरह से तैयार है। यह भारत के लिए अहम दौरा होगा क्योंकि टीम इंडिया इस टेस्ट सीरीज के जरिए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 की शुरुआत करेगी। न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने घर में मिली हार और फिर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज गंवाने के बाद भारत इंग्लिश टीम के खिलाफ टेस्ट सीरीज में जीत दर्ज करना चाहेगा।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान अभी किया जाना बाकी है, लेकिन उससे पहले भारतीय टीम के पूर्व मुख्य चयनकर्ता एमएसके प्रसाद ने कुछ ऐसे खिलाड़ियों के नाम बताए हैं जो उन्हें लगता है कि इस दौरे पर टीम इंडिया का हिस्सा बन सकते हैं। प्रसाद ने इस दौरे के लिए श्रेयस अय्यर को सिरे से खारिज कर दिया जबकि उन्होंने विश्वास दिलाया की गुजरात के ओपनर बल्लेबाज साई सुदर्शन टीम का हिस्सा बन

सकते हैं। साई सुदर्शन आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस के लिए शानदार बैटिंग कर रहे हैं और फॉर्म में हैं। पीटीआई से बातचीत में एमएसके प्रसाद ने कहा कि बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को यशस्वी जायसवाल और रोहित शर्मा के बैकअप ओपनर के तौर पर इंग्लैंड सीरीज के लिए टीम में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि साई को इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम का हिस्सा होना चाहिए। अगर रोहित टीम का हिस्सा होते हैं तो वह जायसवाल के साथ ओपनिंग करेंगे और साई बैकअप ओपनर हो सकते हैं। मैं यह फैसला चयनकर्ताओं पर छोड़ता हूं। सीरीज आगे बढ़ने पर साई को मौका भी मिल सकता है।

प्रसाद ने कहा कि अर्शदीप सिंह को टीम में होना चाहिए क्योंकि बाएं हाथ का तेज गेंदबाज इंग्लैंड की परिस्थितियों में उपयोगी साबित हो सकता है। उन्होंने अपनी पसंदीदा टीम से श्रेयस अय्यर को बाहर रखा। उन्होंने इस दौरे के लिए रविंद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर और कुलदीप यादव को पसंदीदा स्पिनर के रूप में टीम में जगह मिलने की बात कही। उन्होंने कहा कि अर्शदीप मेरी पहली पसंद होगी। इंग्लिश परिस्थितियों में आपको बाएं हाथ के तेज गेंदबाज की जरूरत होती है। यह लड़का गेंद को दोनों तरफ घुमाने में सक्षम है। 100 टी20 विकेट लेने के बाद, मुझे लगता है कि वह खेल की बारीकियों को समझने लगा है और उसके पास काउंटी का भी अनुभव है।

स्वर्ण पदक जीतकर चमके वेदांत नितिन, हरियाणा के रोहित और पंजाब के अमितोज ने जीते पदक

पटना, एजेंसी। स्वर्ण पदक जीतकर वेदांत नितिन चमक उठे। वहीं, हरियाणा के रोहित और पंजाब के अमितोज ने भी पदक जीता। बिहार की मेजबानी में खेलो इंडिया यूथ गेम्स शानदार तरीके से हो रहा है। खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 की शूटिंग प्रतियोगिता के तीसरे दिन महाराष्ट्र के वेदांत नितिन ने 50 मीटर थ्री पोजीशंस राइफल (पुरुष युवा वर्ग) में 452.5 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता। उनके बाद हरियाणा के रोहित कन्यन ने 451.9 अंकों के साथ रजत और पंजाब के अमितोज सिंह ने 440.1 अंकों के साथ कांस्य पदक हासिल किया। जीत के बाद वेदांत ने कहा, पिछली खेलो इंडिया प्रतियोगिता में मैं एक बार पांचवें स्थान पर था, इसलिए इस बार थोड़ा नर्वस था। लेकिन अब जब मैंने गोल्ड जीता है, तो यह बहुत खास है। मैं 2022 से खेलो इंडिया से जुड़ा हूं और सरकार की आर्थिक सहायता से चीजें काफी आसान हो गई हैं।

दिल्ली में चप्पे-चप्पे पर पुलिस, पाकिस्तान पर ऑपरेशन सिंदूर के बाद राजधानी में हाई अलर्ट

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय सेना ने पाकिस्तान के अंदर घुसकर आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूत कर दिया है। पहलगाम हमले का बदला लेते हुए भारतीय सेना ने बुधवार रात को पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर हमला किया, जिसमें 80-90 आतंकियों के मौत की खबर है। इस स्ट्राइक के बाद भारत की राजधानी दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। दिल्ली के चप्पे-चप्पे पर पुलिस की निगरानी लगाई गई है। इस दौरान लोगों की सोशल मीडिया पर सक्रियता को भी मॉनीटर किया जा रहा है। इसके अलावा एयरपोर्ट, बस्ट स्टैंड के साथ सार्वजनिक जगहों पर सावधानी बरती जा रही है। राष्ट्रीय राजधानी में 'ऑपरेशन सिंदूर' के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और प्रमुख स्थानों पर अतिरिक्त पुलिसकर्मियों तथा अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गई है। इस मामले पर जानकारी देते हुए एक अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी पहले से ही हाई अलर्ट पर है और बुधवार को शाम चार बजे कई एजेंसियां मॉक ड्रिल करेंगी। उन्होंने

कहा कि हमने प्रमुख स्थानों पर अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए हैं। दिल्ली पुलिस पूरी तरह सतर्क है और किसी को भी कानून-व्यवस्था भंग करने नहीं दिया जाएगा। टीमें महत्वपूर्ण स्थानों पर कड़ी निगरानी रख रही हैं और सोशल मीडिया मंचों पर भी नजर रखी जा रही है। बता दें कि ऑपरेशने सिंदूर के बाद दिल्ली के साथ ही पूरे देश में सुरक्ष व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। इस दौरान एयरपोर्ट के साथ ही रेलवे स्टेशन और बस स्टेशन पर भी सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, दिल्ली से जाने वाली कई फ्लाइट्स को भी डायवर्ट कर दिया गया है। इस दौरान राजस्थान के दो एयरपोर्ट बीकानेर और जोधपुर को अस्थाई तौर पर बंद कर दिया गया है। इसके अलावा जयपुर की कुछ फ्लाइट्स को डायवर्ट किया गया है।

करारा जवाब, सटीक वार; स्वाति मालिवाल, आतिशी और सौरभ भारद्वाज ऑपरेशन सिंदूर पर क्या बोले

नईदिल्ली, एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर के 9 आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया है। सेना द्वारा किए गए इस हमले पर सत्ता पक्ष के साथ ही विपक्षी दलों ने भी समर्थन दिया है। दिल्ली में विपक्ष की नेता आतिशी, आप नेता सौरभ भारद्वाज और राज्यसभा सांसद स्वाति मालिवाल ने भी इस हमले पर सेना का समर्थन किया है। स्वाति मालिवाल ने एक्स पर हमले से जुड़ी वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा- करारा जवाब, सटीक वारज भारत की तरफ़ आँख भी उठाई तो मिट्टी में मिला दिए जाओगे। इसके बाद जय हिन्द लिखकर भारतीय झंडा और दिल वाली इमोजी भी बनाई। वहीं विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने ट्वीट करते हुए लिखा- जय हिंद की सेना। ऑपरेशन सिंदूर की कामयाबी पर भारतीय सेना को बधाई। आतंकवाद के ख़िलाफ़ इस लड़ाई में पूरा देश भारतीय सेना के साथ खड़ा है।

आप नेता सौरभ भारद्वाज ने न्यूज एजेंसी एएनआई से हुई बातचीत में कहा कि 140 करोड़ भारतीयों को अपनी सेना पर गर्व है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि पाकिस्तान ऑक्युपाइड कश्मीर में आतंकवादी फैक्ट्री चल रही है, इन टैररिस्ट को ट्रेनिंग दी जाती है। इन्हें रेडिक्लाइज किया जाता है। उनको लॉन्च पैड के द्वारा भारत में भेजा जाता है। सौरभ ने कहा कि इस पूरी आतंकी फैक्ट्री को खत्म करके भारत को इस पर कब्जा लेना चाहिए।

गोपाल राय ने ट्वीट करते हुए लिखा, भारतीय सेना के शौर्य और वीरता पर हर भारतीय को गर्व है। आतंकवाद के खिलाफ इस जंग में 140 करोड़ देशवासी अपने जवानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं, हमारी सेना का साहस, हमारा गौरव है। एकजुट होकर हम आतंकवाद को हराएंगे। जय हिंद, भारत माता की जय। कैलाश गहलोत ने इंडियन आर्मी के ट्वीट को रीट्वीट करते हुए लिखा- भारत माता की जय। जय हिन्द। बल्लीमारान से आप विधायक इमरान हुसैन ने ट्वीट करते हुए लिखा- जय हिन्द। हिंदुस्तान ज़िंदाबाद।

मोदी ने बता दिया;ऑपरेशन सिंदूर से गदगद मनोज तिवारी, आतंकियों को याद दिलाई वो बात

नईदिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान पर आधी रात हुए हवाई हमले से पूरे भारतवासी जोश से भर गए हैं। पूरा देश पीएम मोदी और भारतीय जवानों को बधाई दे रहा है। आधी रात हुई इस एयर स्ट्राइक से पड़ोसी मुल्क के रातों की नींद उड़ने के बाद दिन का चैन भी उड़ने वाला है। ऑपरेशन सिंदूर से भारतीय जनता पार्टी के सांसद मनोज तिवारी भी गदगद हैं। उन्होंने सेना के पराक्रम की तारीफ करते हुए पहलगाम में आए आतंकियों को भी एक बात याद दिलाई है।

बुधवार आधी रात भारतीय सेना के पाकिस्तान और पीओके के कुल 9 ठिकानों पर विस्फोटक हमले पर सांसद मनोज तिवारी ने एक के बाद एक दो पोस्ट किए। अपने एक्स हैंडल से उन्होंने पहले लिखा कि भारत माता की जय! आतंकिस्तान को सबक सिखाने चला है भारत। हर गोली का हिसाब होगा,हर बलिदान का बदला मिलेगा। जय हिंद! मनोज तिवारी ने यह एक्स पोस्ट रात 2 बजकर 44 मिनट पर किया था। इस पोस्ट के बाद बीजेपी सांसद ने रात 3 बजकर 13 मिनट पर दूसरा पोस्ट किया। उन्होंने इस बार 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकी हमले को अंजाम देने वाले दहशतगर्दों को एक बात याद दिलाई। उन्होंने लिखा कि 22 अप्रैलमोदी को बता देना ? 07 मईमोदी ने बता दिया। 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में आतंकियों ने लोगों से उनका धर्म पूछकर,पैंट चेक कर और कलमा न पढ़ने पर गोलियों से मौत के घाट उतार दिया था। एक महिला को विधवा कर उन नापाक लोगों ने कहा था कि तुम्हें नहीं मारेंगे,जाकर मोदी को बता देना। इस लाइन के बाद देश में और उबाल आ गया था। भारत ने आधी रात जिन 9 ठिकानों पर हमला किया है,उनमें से एक बहावलपुर भी है,जहां मोस्ट वांटेड आतंकी मसूद अजहर का अड्डा है।

उड़ानों पर असर; ऑपरेशन सिंदूर के बाद दिल्ली एयरपोर्ट ने जारी की यात्रियों के लिए एडवाइजरी

नईदिल्ली, एजेंसी। पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेते हुए थल सेना, वायु सेना और नौसेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान औप पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के 9 आतंकी ठिकानों को बर्बाद कर दिया। खबर है कि इस हमले में 90 आतंकी भी ढेर हो गए हैं। पूरा देश आतंकवाद के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर का जश्न मना रहा है। वहीं दूसरी ओर इस ऑपरेशन के बाद दिल्ली एयरपोर्ट ने भी लोगों के लिए एडवाइजरी जारी की है। दिल्ली एयरपोर्ट की तरफ से कहा गया है कि हवाईक्षेत्र की स्थिति बदल रही है और इसका असर दिल्ली एयरपोर्ट की कुछ फ्लाइटों पर भी पड़ा है। ऐसे में लोगों को अपनी यात्रा से जुड़ी जानकारी के लिए संबंधित एयरलाइन से संपर्क करने के कहा जा रहा है।

दिल्ली एयरपोर्ट ने अपनी

एडवाइजरी में कहा, कृपया ध्यान दें, हवाई क्षेत्र की बदलती परिस्थितियों के कारण दिल्ली एयरपोर्ट पर कुछ उड़ानें प्रभावित हुई हैं। ऐसे में फ्लाइट संबंधी जानकारी के लिए, यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी संबंधित एयरलाइनों से संपर्क करें या हमारी आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं।

बता दें, दिल्ली प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पहलगाम हमले को लेकर पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय सेना की जवाबी कार्रवाई की समर्थन किया है और कहा है कि ये नया भारत है, ये घर में घुसेगा भी और मारेगा भी। दिल्ली भाजपा ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, ये नया भारत है। ये घर में घुसेगा भी, और मारेगा भी। दिल्ली भाजपा ने लिखा, आतंकियों की जमीन को मिट्टी में मिला दिया। जय हिंद की सेना...। गौरतलब है कि भारतीय सशस्त्र बलों ने मंगलवार देर रात पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादी ठिकानों को 'ऑपरेशन सिंदूर' तहत निशाना बनाया।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक भारतीय सेनाओं ने कुल मिलाकर, नौ (09) ठिकानों को निशाना बनाया है। भारतीय सेनाओं ने आतंकवादियों के जिन ठिकानों को निशाना बनाया है, वहां से भारत के खिलाफ आतंकवादी हमलों की योजना बनाई गई थी और उन्हें (आतंकवादियों को) निर्देशित किया गया था।

संपादकीय | हादसों से सबक क्यों नहीं लेता समाज?

धार्मिक स्थलों, आयोजनों, उत्सवों में भीड़ को नियंत्रित न कर पाने, आवागमन का समुचित प्रबंध न होने से अक्सर भगदड़ मचने, दम घुटने आदि से बड़ी संख्या में लोगों के मारे जाने, घायल हो जाने की खबरें आती रहती हैं। मगर हैरानी की बात है कि उनसे कोई सबक नहीं लिया जाता। यहां तक कि उन्हीं जगहों पर दुबारा वैसे ही हादसे होते देखे जाते हैं। गोवा के एक मंदिर में हुआ हादसा इसका ताजा उदाहरण है। शनिवार को उस मंदिर उत्सव में भगदड़ मचने से छह लोग दब कर मर गए, जबकि सत्तर लोग घायल हो गए।

घटना की प्राथमिक जांच से पता चला है कि जिस जगह हादसा हुआ वहां गली संकरी और रास्ता ढलान वाला था। ढलान पर खड़े कुछ लोग असंतुलित होकर नीचे गिरे, जिससे भगदड़ मची और छह लोग दब कर मर गए। बताया जा रहा है कि उसी जगह ऐसी ही घटना पिछले वर्ष भी हुई थी, मगर गनीमत है कि उसमें कोई हताहत नहीं हुआ था। पुलिस का कहना है कि आयोजकों ने भीड़ को रोकने का प्रयास किया, लोगों से अपील की थी कि वे आगे न बढ़ें, मगर वे नहीं माने और यह घटना घट गई।

हालांकि घटना का असल कारण जांच रपट आने के बाद पता चल पाएगा, मगर प्राथमिक तथ्यों से जाहिर है कि मंदिर प्रबंधन भीड़ पर काबू करने में विफल रहा। वहां चालीस से पचास हजार लोग इकट्ठा हो गए बताए जा रहे हैं। हालांकि यह कोई नया अनुभव नहीं है। ज्यादातर धार्मिक आयोजनों में हुए हादसों के पीछे मुख्य वजह उनके आयोजकों की लापरवाही होती है। कायदे से किसी भी आयोजन से पहले उसकी तैयारियों के बारे में पुलिस को बताना होता है,

फिर वह उसी के मुताबिक सुरक्षा इंतजाम करती है। मगर ज्यादातर ऐसे आयोजनों में इसे लेकर लापरवाही बरती जाती है और मान लिया जाता है कि श्रद्धालु स्वयं नियंत्रित व्यवहार करेंगे। पर, ऐसा हो नहीं पाता।

अधिकतर मंदिरों, धार्मिक स्थलों के आसपास की जगहें संकरी हैं। जो मंदिर जितना पुराना है, वहां श्रद्धालुओं की आवाजाही के लिए उतनी ही कम जगह देखी जाती है। फिर, उन रास्तों पर फूल-माला-प्रसाद आदि बेचने वाले अपनी दुकानें लगा कर रास्तों को और संकरा बना देते हैं। गोवा के मंदिर में भी यही स्थिति देखी गई। ऐसे में, जब अफरा-तफरी मचती है, किसी वजह से लोग अनियंत्रित होते हैं, तो उसमें लोगों के मारे जाने का खतरा बढ़ जाता है।

ऐसे तथ्य आमतौर पर मंदिर के प्रबंधकों, उत्सव आयोजित करने वालों से छिपे नहीं होते। जब उन्हें पता होता है कि श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ रही है, तो उनके प्रवेश करने और निकलने का समुचित प्रबंध क्यों नहीं किया जाता। हादसे के लिहाज से संवेदनशील जगहों पर स्वयंसेवकों को क्यों खड़ा नहीं किया जाता, जो श्रद्धालुओं को सतर्क रह कर आगे बढ़ने का निर्देश दें।

ऐसी घटनाओं को रोकने में कामयाबी न मिल पाने, आयोजकों, मंदिर प्रबंधकों को जिम्मेदार न बना पाने का एक बड़ा कारण यह भी है कि ऐसे हादसे हो जाने के बाद प्रायः उनकी जवाबदेही तय नहीं की जाती है। आखिरकार पुलिस की जिम्मेदारी बनती है कि वह किसी भी आयोजन में सुरक्षा मानकों की किसी भी रूप में अनदेखी को रोके। मगर हर हादसे के बाद जैसे इस तकाजे को भुला दिया जाता है।